श्री जिनेन्द्राय नमः

न्यामत सिंह रचित जैन ग्रंथ माला—अंक ४

———:o:———

जैन भजन तरंगनी

———:o:———

१—स्तुति-प्रार्थना

———:o:———

१

श्रीमहावीर भगवान की स्तुति ।

चाल—मेरे मौला बुलालो मदीने मुझे।

तूने राहे सिदाक़त दिखाया हमें ॥
है यह दुनिया अनादि बताया हमें ॥ टेक ॥
हो रहा है बे जुबानों पर जुलम यहां रात दिन ।
बे खता गर्दन पे खंजर चल रहे हैं रात दिन ॥
ऐसे पापों से स्वामी बचाया हमें ॥ १ ॥
था ग़लत करताका हाऊकी तरह दिलमें खयाल ॥
आपने युक्तीसे का खंडन दिया दिलसे निकाल ।
सच्ची बातों का हामी बनाया हमें ॥ २ ॥
झूट चोरी और दिलाजारी जिनाकारी दग़ा ॥